Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Answer Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—7306

PAPER—II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परज़्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम्—IIप्रश्नपत्र—II

PAPER—II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** (50) बहुविकल्पीयप्रश्नाः सन्ति। तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्। **सर्वे** प्रश्नाः उज़रणीयाः।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उज़र दीजिए।

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. बुधोऽस्य स्वामी वर्तते -

बुध इसका स्वामी है -

बुध is the स्वामी of -

(A) मेषस्य

(B) वृषस्य

(C) मिथुनस्य

(D) कर्कस्य

2. अस्य कोऽपि ग्रहः शत्रुर्नभवति -

इसका कोई ग्रह शत्रु नहीं होता -

No ग्रह can be an enemy of -

(A) सूर्यस्य

(B) चन्द्रस्य

(C) भौमस्य

(D) बुधस्य

3. विवाहमुहूर्ज़े कतिविधा: दोषा: भवन्ति -

विवाह के मुहूर्ज़ में कितने दोष होते हैं ?

How many दोषs are there in the case of विवाहमुहूर्ज़: -

(A) 2

(B) 4

(C) 8

(D) 10

4. दिनमानं वर्धते -

दिन का मान बढ़ता है -

The duration of the day increases in -

(A) उज़रायणे

(B) दक्षिणायणे

(C) वर्षारज़्भे

(D) वर्षमध्ये

5. अस्य कक्षा भूमे: निकटमस्ति -

इसकी कक्षा भूमि के निकट है -

The कक्षा of this planet is nearer to earth -

(A) सूर्यस्य

(B) चन्द्रस्य

(C) भौमस्य

(D) बुधस्य

6. सूर्यग्रहणं भवति -

सूर्यग्रहण पड़ता है -

Solar eclipse occurs in -

(A) पूर्णिमायाम्

(B) अमायाम्

(C) संक्रान्तौ

(D) अमायां शराभावे

7. 'जेतुं शज़्यम्' इति विग्रहे रूपं भवति -

'जेतुं शज़्यम्' इस विग्रह से रूप होता है -

'जेतुं शज़्यम्' from this विग्रह we get the form -

(A) जेयम्

(B) जय्यम्

(C) जयनीयम्

(D) जेतव्यम्

8. 'अहिनकुलम्' इत्यत्र समासविधायकं सूत्रम् अस्ति -

'अहिनकुलम्' इस का समासविधायक सूत्र है -

'अहिनकुलम्' - the rule prescribing the समास here is -

(A) द्वन्द्वश्च प्राणितूर्यसेनाङ्गानाम्

(B) विप्रतिषिद्धं चानधिकरणवाचि

(C) राजदन्तादिषु परम्

(D) येषां च विरोध: शाश्वतिक:

9. 'तृणं स्पृशति' इत्यत्र कर्मसंज्ञाविधायकं सूत्रम् अस्ति -

'तृणं स्पृशति' इस में कर्मसंज्ञाविधायक सूत्र होता है -

'तृणं स्पृशति' - the rule prescribing कर्मसंज्ञा here is -

(A) अकथितं च

(B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(C) तथायुज़्तं चानीप्सितम्

(D) दिव: कर्म च

10. 'पारदृश्वन्' इत्यस्य स्त्रियां रूपं भवति –

'पारदृश्वन्' इस का स्त्रीलिङ्ग में रूप होता है –

'पारदृश्वन्' - the feminine form of this is -

(A) पारदृश्वनी

(B) पारदृश्वरी

(C) पारद्रष्ट्री

(D) पारदृश्वना

11. मीमांसानुसारं वेदः अस्ति –

मीमांसानुसार वेद होता है –

According to मीमांसा, the वेद is -

(A) पौरुषापौरुषेयः

(B) अपौरुषेयः

(C) पौरुषेयः

(D) त्रितयादन्यः

12. भावना भवति –

भावना होती है –

भावना is -

(A) द्विविधा

(B) त्रिविधा

(C) चतुर्विधा

(D) पञ्चविधा

13. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इति सूत्रम् अस्ति –

'अथातो धर्मजिज्ञासा' इस सूत्र मिलता है –

'अथातो धर्मजिज्ञासा' - this सूत्र is found in -

(A) वैशेषिकसूत्रे

(B) योगसूत्रे

(C) वेदान्तसूत्रे

(D) मीमांसासूत्रे

14. श्लोकवार्तिकस्य कर्ज़ा अस्ति –

श्लोकवार्तिक का कर्ज़ा होता है –

The author of श्लोकवार्तिक is -

(A) उद्योतकरः

(B) कुमारिलः

(C) सुरेश्वरः

(D) वाचस्पतिः

15. न्यायदर्शने द्रव्याणि सन्ति –

न्यायदर्शन में द्रव्य होते हैं –

According to न्यायदर्शन, the number of द्रव्यs is -

(A) पञ्च

(B) सप्त

(C) नव

(D) एकादश

16. न्यायदर्शने जगत्कर्ता भवति –

न्यायदर्शन में जगत्कर्ता होता है –

According to न्यायदर्शन, the creator of the world is -

(A) ईश्वरः

(B) प्रकृतिः

(C) अदृष्टम्

(D) माया

17. अनुमितेः करणं भवति –

अनुमिति का करण होता है –

The करण of अनुमिति is -

(A) सादृश्यज्ञानम्

(B) पदज्ञानम्

(C) व्याप्तिज्ञानम्

(D) परामर्शः

18. तज़्वचिन्तामणे: कर्ज़ा अस्ति –

तज़्वाचिन्तामणि का कर्ता होता है –

The author of तज़्वाचिन्तामणि is -

(A) रघुनाथ:

(B) मथुरानाथ:

(C) उदयन:

(D) गङ्गेश:

19. सांज़्यदर्शने तज़्वानि सन्ति –

सांज़्यदर्शन में तज़्व होते हैं –

According to the सांज़्यदर्शन the number of तज़्वs is -

(A) त्रीणि

(B) पञ्चविंशति:

(C) दश

(D) सप्तदश

20. सांज़्यमते पुरुषोऽस्ति –

सांज़्यमत में पुरुष है –

According to the सांज़्य view, the nature of पुरुष is -

(A) अचेतन:

(B) कर्ता

(C) उदासीन:

(D) भोज़्ता

21. योगदर्शनस्य प्रवर्ज़कोऽस्ति –

योगदर्शन का प्रवर्ज़क होता है –

The founder of the योगदर्शन is -

(A) कपिल:

(B) जैमिनि:

(C) व्यास:

(D) पतञ्जलि:

22. समापत्ति: भवति –

समापत्ति होती है –

समापत्ति is -

(A) षड्विधा

(B) चतुर्विधा

(C) त्रिविधा

(D) पञ्चविधा

23. तैत्तिरीयसंहिता सम्बद्धा अस्ति –

तैत्तिरीयसंहिता सम्बद्ध होता है –

तैत्तिरीयसंहिता is related to -

(A) ऋग्वेदेन

(B) कृष्णयजुर्वेदेन

(C) सामवेदेन

(D) अथर्ववेदेन

24. क्षणभङ्गवाद: एतेषां सिद्धान्तोऽस्ति –

क्षणभङ्गवाद इनके सिद्धान्त होता है –

क्षणभङ्गवाद: belongs to these -

(A) जैनानाम्

(B) नैयायिकानाम्

(C) बौद्धानाम्

(D) मीमांसकानाम्

25. स्याद्वादस्य प्रतिपादका: सन्ति –

स्याद्वाद के प्रतिपादक होते हैं –

The propounders of स्याद्वाद are -

(A) जैना:

(B) वेदान्तिन:

(C) बौद्धा:

(D) नैयायिका:

26. विवर्ज़वादस्य प्रवर्ज़का: सन्ति –

विवर्ज़वाद के प्रवर्ज़क हैं –

The advocates of विवर्ज़वाद are -

(A) मीमांसका:

(B) द्वैतवेदान्तिन:

(C) अद्वैतवेदान्तिन:

(D) विशिष्टाद्वैतिन:

27. 'विद्याया ऽमृतमश्नुते' इति सूज़्ति: मिलति –

'विद्याया ऽमृतमश्नुते' यह सूज़्ति मिलती है –

'विद्याया ऽमृतमश्नुते' - this सूज़्ति occurs in -

(A) अथर्ववेदे

(B) शुज़्लयजुर्वेदे

(C) सामवेदे

(D) ऋग्वेदे

28. वाजसनेयीसंहिनायाम् अध्याया: सन्ति –

वाजसनेयीसंहिता में अध्याय हैं –

The number of अध्यायs in the वाजसनेयीसंहिता is -

(A) चत्वारिंशत्

(B) त्रिंशत्

(C) पञ्चाशत्

(D) शतम्

29. शुज़्लयजुर्वेदस्य शाखा अस्ति –

शुज़्लयजुर्वेद की शाखा होती है –

A शाखा of शुज़्लयजुर्वेद is -

(A) बाष्कलीया

(B) काण्वी

(C) राणायनीया

(D) शौनकीया

30. द्वैतमते मोक्षसाधनं भवति –

द्वैतमत में मोक्षसाधन होता है –

In the द्वैत view, the means of मोक्ष is -

(A) भज़्ति:

(B) कर्म

(C) कर्मसमुच्चितं ज्ञानम्

(D) केवलं ज्ञानम्

31. द्वैतमते जगदस्ति –

द्वैतमत में जगत् होता है –

According to द्वैत, the world is -

(A) मिथ्या

(B) अनिर्वचनीयम्

(C) सत्यम्

(D) असत्यम्

32. दशप्रकरणस्य कर्ता अस्ति –

दशप्रकरण का कर्ता होता है –

The author of दशप्रकरण is -

(A) श्रीनिवासदास:

(B) वाचस्पतिमिश्र:

(C) शङ्कराचार्य:

(D) आनन्दतीर्थ:

33. अष्टमे वर्षे उपनयनं विधीयते –

आठवें वर्ष में उपनयन विहित है –

उपनयन is prescribed in the eighth year -

(A) अन्यस्य

(B) ब्राह्मणस्य

(C) क्षत्रियस्य

(D) वैश्यस्य

34. गर्भशुद्धयर्थं संस्कारोऽयं विधीयते –

गर्भशुद्धि के लिए संस्कार विहित है –

This संस्कार is prescribed for गर्भशुद्धि.

(A) गर्भाधानम्

(B) सीमन्तोन्नयनम्

(C) पुंसवनम्

(D) विवाहः

35. व्यवहारस्य पादाः भवन्ति –

व्यवहार के पाद होते है –

The number of पादs in व्यवहार is -

(A) चत्वारः

(B) त्रयः

(C) पञ्च

(D) षट्

36. नारीणां पुनर्विवाहस्य प्रतिपादकोऽस्ति –

नारियों के पुनर्विवाह का प्रतिपादक है –

An advocate re-marriage of women is -

(A) मनुः

(B) याज्ञवल्ज्यः

(C) नारदः

(D) वसिष्ठः

37. जुगुप्सा स्थायिभावो भवति –

जुगुप्सा स्थायिभाव होता है –

जुगुप्सा is the स्थायिभाव of -

(A) भयानकस्य

(B) अद्भुतस्य

(C) बीभत्सस्य

(D) हास्यस्य

38. औचित्यसज़्प्रदायस्य प्रवर्तकोऽस्ति –

औचित्य सज़्प्रदाय का प्रवर्तक है –

The expounder of the traditon of औचित्य is -

(A) मज़्मटः

(B) भामहः

(C) उद्भटः

(D) क्षेमेन्द्रः

39. 'कान्तासंमिततयोपदेशयुजे' उज़्तिरियं वर्ज़ते –

'कान्तासंमिततयोपदेशयुजे' यह उज़्ति है –

'कान्तासंमिततयोपदेशयुजे' - this statement is of -

(A) शङ्कुकस्य

(B) मज़्मटस्य

(C) अभिनवगुप्तस्य

(D) वामनस्य

40. रससूत्रस्य प्रतिपादकोऽस्ति –

रससूत्र का प्रतिपादक होता है –

The propounder of रससूत्र is -

(A) अभिनवगुप्तः

(B) भट्टनायकः

(C) लोल्लटः

(D) भरतमुनिः

41. पुराणं कतिलक्षणं भवति –

पुराण के कितने लक्षण होते हैं –

How many लक्षणs of पुराण are told -

(A) चतुर्दशलक्षणम्

(B) पञ्चलक्षणम्

(C) एकादशलक्षणम्

(D) अष्टादशलक्षणम्

42. शान्तिपर्व वर्तते –

शान्तिपर्व है –

शान्तिपर्व is found in -

(A) रामायणे

(B) महाभारते

(C) भागवते

(D) मार्कण्डेयपुराणे

43. रासपञ्चाध्यायी वर्तते –

रासपञ्चाध्यायी है –

रासपञ्चाध्यायी is found in -

(A) महाभारते

(B) अग्निपुराणे

(C) श्रीमद्भागवते

(D) श्रीमद्रामायणे

44. 'योगः कर्मसु कौशलम्' – इंद वाज़्यम् अस्ति –

'योगः कर्मसु कौशलम्' – इस वाज़्य है –

'योगः कर्मसु कौशलम्' - this statement is found in -

(A) भगवद्गीतायाम्

(B) शिवगीतायाम्

(C) हरिवंशे

(D) सूतसंहितायाम्

45. इयं मुद्रा पूजायां प्रयुज्यते –

यह मुद्रा पूजा में प्रयुज़्त होती है –

This मुद्रा is found in पूजा -

(A) मृगीमुद्रा

(B) हंसीमुद्रा

(C) सूकरीमुद्रा

(D) धेनुमुद्रा

46. मालामन्त्रे अक्षर संज्या भवति –

मालामन्त्र में अक्षर संज्या होती है –

The number of अक्षरs in the मालामन्त्र is -

(A) द्वात्रिंशत्यधिका

(B) षोडशाधिका

(C) चतुर्विंशत्यधिका

(D) दशाधिका

47. आगमानुसारं यामल शज्दस्य अर्थोऽस्ति –

आगम के अनुसार यामल शज्द का अर्थ होता है –

The meaning of the word यामल according to आगम's is -

(A) सुखदुःखे

(B) मायाजीवौ

(C) भुज्तिमुज्ती

(D) स्त्रीपुरुषौ

48. भूतवस्तुविषयाणां प्रामाण्यं भवति –

भूतवस्तुविषय का प्रामाण्य होता है –

The validity of objects is -

(A) वस्तुतन्त्रम्

(B) पुरुषतन्त्रम्

(C) चोदनातन्त्रम्

(D) परतन्त्रम्

49. विवरणप्रस्थानस्य स्थापको भवति –

विवरणप्रस्थान का स्थापक होता है –

The founder of विवरणप्रस्थान is -

(A) अप्पय्यदीक्षित:

(B) प्रकाशात्मयति:

(C) वाच स्पतिमिश्र:

(D) विद्यारण्य:

50. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इत्यत्र अथशब्दस्याऽर्थो भवति –

'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' इस में अथ शब्द का अर्थ होता है –

in 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' the meaning of अथ is -

(A) मङ्गलार्थ:

(B) अधिकारार्थ:

(C) आनन्तर्यार्थ:

(D) प्रश्नार्थ:

- o O o -

Space For Rough Work